साहित्य अकादेमी
रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली -110 001
तार : साहित्यकार दूरभाष : 2338 6623
फैक्स : 091-11-2338 2428
ई-मेल : vptiwari378@hotmail.com

Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi 110 001
Gram : Sahityakar Phone : 2338 6623
Fax : 091-11-2338 2428
E-Mail : vptiwari378@hotmail.com
Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
अध्यक्ष

Vishwanath Prasad Tiwari
President

26. 09. 2013

'गीता' भारतीय आर्ष चिंतन और तत्त्व दर्शन का सार संग्रह है। ज्ञान, कर्म और भक्ति का समन्वय करने वाला अद्‌भुत ग्रंथ। 'अनासक्ति', 'स्थित प्रज्ञ', 'त्रिगुणात्मिका सृष्टि' अर्थात् 'कर्मयोग' और 'सांख्य योग' की विलक्षण बौद्धिक व्याख्या करने वाला ग्रंथ। कर्त्तृत्वाभिमान से मुक्त निष्काम कर्म 'गीता' का महान संदेश है। यह तर्क और मनोविज्ञान की आधुनिक कसौटी पर न केवल कसा जा सकता है, बल्कि तप और अभ्यास द्वारा इसे जीवन में उतारा भी जा सकता है। श्री शंकराचार्य से लेकर सभी आचार्यों, संत ज्ञानेश्वर, तिलक, गाँधी और विनोबा भावे ने इसकी वैचारिक व्याख्याएँ की हैं। श्री मलयज गर्ग अत्यन्त विनम्रतापूर्वक स्वयं को इन महान व्यक्तियों की पंक्ति में नहीं गिनवाना चाहते। फिर भी 'गीता' का उनका विश्लेषण अत्यन्त वैज्ञानिक और तार्किक है, जो कुछ अनुद्‌घाटित तथ्यों का भी उद्‌घाटन करता है। इस आध्यात्मिक ग्रंथ के पारिभाषिक एवम् गूढ़ शब्दों की व्याख्या करके उन्होंने इसे बोधगम्य बनाया है। उनका विश्लेषण स्पष्ट करता है कि 'गीता' धर्म की कोई कर्मकांडीय पोथी नहीं बल्कि सत्य और परमसत्य का वैज्ञानिक साक्षात्कार करने तथा सम्पूर्ण मानवता को दिशा और गति देने वाला महान ग्रंथ है। मुझे विश्वास है पाठक श्री गर्ग के इस गंभीर अध्ययन और श्रम का सम्मान करेंगे।

— विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Residence : Dastavez, Betiahata, Gorakhpur-273001, Uttar Pradesh Tel. : 0551-2335967